Chapter- 13

वाक्य

STUDY NOTES

- सार्थक शब्दों का वह समूह वाक्य कहलाता है जो एक अर्थ प्रकट करता है।

वाक्य के अंग :

वाक्य के दो अंग होते हैं –

क) उद्देश्य

ख) विधेय

उद्देश्य

वाक्य में जिसके बारे में कुछ कहा जाता है, वह **उद्देश्य** कहलाता है। इसमें मुख्य रूप से कर्ता आता है। जैसे –

मंदीप और सुदीप कहानी पढ़ रहे हैं।

यहाँ **मंदीप और सुदीप** कर्ता हैं। वाक्य में उनके संबंध में बात की जा रही है अत: ये **उद्देश्य** हैं।

विधेय

उद्देश्य के विषय में जो कुछ कहा जाता है, वह **विधेय** कहलाता है। इसमें मुख्य रूप से क्रिया, कर्म और उनका विस्तार आदि आता है। जैसे –

मंदीप और सुदीप **कहानी पढ़ रहे हैं।**

यहाँ **कहानी** कर्म और **पढ़ रहे हैं** क्रिया है। यह वाक्यांश मंदीप और सुदीप के बारे में कहा जा रहा है अत: यह **विधेय** है।

वाक्य के प्रकार

वाक्य के प्रकार दो आधार पर होते हैं –

क) रचना के आधार पर

ख) अर्थ के आधार पर

रचना के आधार पर

रचना के आधार पर वाक्य तीन प्रकार के होते हैं –

क) सरल वाक्य

ख) संयुक्त वाक्य

ग) मिश्रित वाक्य

क) **सरल वाक्य :**

सरल वाक्य में एक उद्देश्य और एक विधेय होता है।

जैसे – सूर्य (उद्देश्य) अकाश में चमकता है। (विधेय)

ख) **संयुक्त वाक्य :**

संयुक्त अर्थात् जुड़ा हुआ। इसमें दो वाक्यों को योजक चिह्नों की सहायता से जोड़कर वाक्य बनाया जाता है।

जैसे – अरूण खेल रहा है और विभोर पढ़ रहा है।

योजक चिह्न – और, या, किंतु, परंतु, तथा, एवं आदि।

ग) **मिश्रित वाक्य :**

मिश्रित अर्थात् मिला-जुला। जिसमें एक वाक्य प्रधान हो और उसमें एक या अधिक आश्रित उपवाक्य जोड़ दिए गए हों, वह मिश्रित वाक्य कहलाता है।

जैसे – पिता जी मेरे लिए एक साइकिल लाए, जिसका रंग लाल है।

मिश्रित वाक्य के योजक शब्द – क्योंकि, कि, जब-तब, जैसा-वैसा, जो-वह, जिसका, जिसमें, जिसे आदि।

◆◆◆